

**SAMPLE**

[No. of Questions : 05 ] [No. of Printed Pages : 06 ]	Secretary	<table border="1" style="margin: auto;"> <tr><td style="padding: 5px;"><b>PART -I</b></td></tr> <tr><td style="padding: 5px;"><b>KKJ</b></td></tr> </table>	<b>PART -I</b>	<b>KKJ</b>																
<b>PART -I</b>																				
<b>KKJ</b>																				
Roll No. of the Candidate	(Verified and found correct)	Time : 1½ Hours] [Full Marks : 50																		
<table border="1" style="width: 100%; height: 20px;"> <tr> <td style="width: 12.5%;"></td> <td style="width: 12.5%;"></td> <td style="width: 12.5%;"></td> <td style="width: 12.5%;"></td> <td style="width: 12.5%;"></td> <td style="width: 12.5%;"></td> <td style="width: 12.5%;"></td> <td style="width: 12.5%;"></td> </tr> </table>									<table border="1" style="width: 100%; height: 20px;"> <tr> <td style="width: 100%;"></td> </tr> </table>											
Full signature of the Invigilator Date of Examination .....																				
<table border="1" style="margin: auto;"> <tr><td style="padding: 5px;"><b>REGULAR</b></td></tr> <tr><td style="padding: 5px;"><b>AR - 03</b></td></tr> </table>	<b>REGULAR</b>	<b>AR - 03</b>	<table border="1" style="margin: auto;"> <tr><td style="padding: 5px;"><b>2014</b></td></tr> <tr><td style="padding: 5px;"><b>MDH</b></td></tr> </table>	<b>2014</b>	<b>MDH</b>	SET : <table border="1" style="display: inline-table;"><tr><td style="padding: 5px;"><b>A</b></td></tr></table> <table border="1" style="margin: auto;"> <tr><td style="padding: 5px;"><b>PART-II</b></td></tr> <tr><td style="padding: 5px;"><b>SUBJECTIVE</b></td></tr> </table>	<b>A</b>	<b>PART-II</b>	<b>SUBJECTIVE</b>											
<b>REGULAR</b>																				
<b>AR - 03</b>																				
<b>2014</b>																				
<b>MDH</b>																				
<b>A</b>																				
<b>PART-II</b>																				
<b>SUBJECTIVE</b>																				
<b>ପରୀକ୍ଷାର୍ଥୀଙ୍କ ନିମନ୍ତେ ସୂଚନା :</b>																				
କ. ପ୍ରଶ୍ନପତ୍ର ସଫଳତା ଭରଣ ଖାତାଟି ପାଇବା ପରେ ଏହା ଉପରେ ସୁଦ୍ଧିତ ଥିବା ପ୍ରଶ୍ନ ସଂଖ୍ୟା ଓ ପୃଷ୍ଠା ସଂଖ୍ୟା ପ୍ରଶ୍ନପତ୍ର ସଫଳତା ଭରଣ ଖାତାର ପ୍ରତ୍ୟେକପୃଷ୍ଠାରେ ପ୍ରଶ୍ନ ସଂଖ୍ୟା ଓ ପୃଷ୍ଠା ସଂଖ୍ୟା ସହିତ ମିଳାଇ ନିଅ । ଏଥିରେ ସେହି ସଂକେତ ପ୍ରତି ପୃଷ୍ଠାରେ ଠିକ୍ ଭାବରେ ଲେଖା ହୋଇଛି ନା ନାହିଁ ମଧ୍ୟ ମିଳାଇ ନିଅ । ଖ. ଯଦି କିଛି ତ୍ରୁଟି ପରିଲକ୍ଷିତ ହୁଏ, ତେବେ ତ୍ରୁଟିସୂଚକ ପ୍ରଶ୍ନପତ୍ର ସଫଳତା ଭରଣ ଖାତାଟି ପରୀକ୍ଷା ଗୃହ ବାୟିକ୍ରେ ଥିବା ନିରୀକ୍ଷକଙ୍କୁ ଫୋରାଇ ଆଉ ଗୋଟିଏ ଠିକ୍ ପ୍ରଶ୍ନପତ୍ର ମାଗିନିଅ । ଗ. ପ୍ରତ୍ୟେକ ପ୍ରଶ୍ନର ତଳେ ଦିଆଯାଇଥିବା ନିର୍ଦ୍ଧାରିତ ସ୍ଥାନରେ ଭରଣ ଲେଖିବାକୁ ହେବ । ଘ. ଆବଶ୍ୟକ ସ୍ଥଳେ ଶେଷରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ଅତିରିକ୍ତ ପୃଷ୍ଠାରେ ଭରଣ ଲେଖିବେ । ଶେଷରେ ଦିଆଯାଇଥିବା (ରଫ୍ କରିବା) ସ୍ଥାନରେ ରଫ୍ କରିବେ ।																				
<b>FOR USE AT THE EVALUATION CENTRE</b>																				
<table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <thead> <tr> <th style="width: 10%;">Q. No.</th> <th style="width: 15%;">Marks awarded</th> <th style="width: 75%;">Signature of Examiner</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td style="height: 20px;"></td> <td></td> <td style="text-align: center;">Regd. No.</td> </tr> <tr> <td style="height: 20px;"></td> <td></td> <td style="text-align: center;">Regd. No.</td> </tr> <tr> <td style="height: 20px;"></td> <td></td> <td style="text-align: center;">Regd. No.</td> </tr> <tr> <td style="height: 20px;"></td> <td></td> <td style="text-align: center;">Regd. No.</td> </tr> <tr> <td style="height: 20px;"></td> <td></td> <td style="text-align: center;">Regd. No.</td> </tr> </tbody> </table>	Q. No.	Marks awarded	Signature of Examiner			Regd. No.			Regd. No.			Regd. No.			Regd. No.			Regd. No.	Signature of the Scrutiniser Regd. No.  Sign. of the Dy. Chief Examiner Regd. No.  Sign. of the Chief Examiner Regd. No.	
Q. No.	Marks awarded	Signature of Examiner																		
		Regd. No.																		
		Regd. No.																		
		Regd. No.																		
		Regd. No.																		
		Regd. No.																		
Total Marks <table border="1" style="display: inline-table; width: 50px; height: 20px; vertical-align: middle;"></table> in words .....																				
Sign. of the Examiner Date of Evaluation.....																				

Paper - III (Subjective)

Time : 1. 30 Hrs.

F.M. - 50

कर्मकाण्ड- 30

1. संकल्पपदार्थनिरूपणं कृत्वा सामान्यसंकल्प बाक्यं लिखत ।

[10

अथवा

‘तद्विष्णोः इति मन्त्रस्य ऋषिछन्दं कराङ्गन्यासौ च विलिख्य विष्णोर्ध्यानम् उद्धरत ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

2. अग्निपञ्चाक्षरमन्त्रस्य ऋषिछन्दं कराङ्गन्यासौ च ग्रन्थरीत्या विलिख्य अग्नेः स्वरूपध्यानं प्रकाशयत । [10]

अथवा

'अम्वे अम्बिके' मन्त्रस्य ऋषिछन्दं विलिख्य आवाहनकालीनस्तुतिं मूलमन्त्रं च विवृणुत ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

3. केषाञ्चित् चतुर्णां ग्रहणां मूलमन्त्रान् लिखत । [10]

अथवा

शिवस्य सूर्यस्य गणपतेश्च मूलमन्त्रान् विलिख्य अग्नेः विसर्जनमन्त्रं लिखत ।

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

2. कालपुरुषस्य अङ्गविभागं वर्णयत ।

[10]

अथवा

काल नरस्यावयवान् पुरुषाणां चिन्तयेत् प्रसवकाले ।  
सदसद्ग्रहसंयोगात् पुष्टाः सोपद्रवास्ते च ॥  
श्लोकमिमं सप्रसङ्गं व्याख्यात ।

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

-----  
Additional Space